

03/3/25

पतावली पेना ड्रि। अधिवक्ता वादी मय वादी मलु।
शक - शक मर तीन बार आवापे दिलवार्ति गरि।
समस्त सोन 5777 हो युगा हें। अतः वादी मय अधि-
वादी के अनुपारखित रहे पर वादी का वाद अरुद
हाजरी। अहम पेंरबी मे खारिज किता पाता हें।
पतावली मंसल सुनार होकर मबर ले मय ही।

विजय सुगमा मया।

